OCBC-19 को लेकर छात्रों की सामान्य जिज्ञासाएं और उनके जवाब

1. **सिलेबस क्या होता है? और छात्रों के लिए कैसे उपयोगी होता है?**

   सिलेबस कक्षा में पढाई-सिखाई का ब्लू-प्रिंट होता है. सेमेस्टर में क्या-क्या सिखाया जाएगा, कैसे-कैसे सिखाया जाएगा, और छात्र ने कितना सीखा ये कैसे जांचा जाएगा आदि चीजें पहले से ही निर्धारित करके सिलेबस में वर्णित कर दी जाती है. अतः यदि छात्र सिलेबस को पढ़कर कर समझ ले तो उसके लिए कक्षा में सीखना और परीक्षा पास करना तुलनात्मक रूप से आसान हो जाता है.

2. **OCBC-19 का पूरा नाम क्या है और इसका क्या मतलब होता है?**

   इसका पूरा नाम **Outcome Based Curriculum-19 (परिणाम आधारित पाठ्यचर्या-19)** है. यह नए प्रकार का सिलेबस है जो 2019 से लागू किया किया है. इसमें सबसे पहले यह तय किया जाता है कि छात्र में क्या क्या हुनर/स्किल/ योग्यता/ विकसित की जायेगी. फिर ये तय किया जाता है कि ये योग्यताएं विकसित करने के लिए क्या क्या पढ़ाया-सिखाया जाएगा और छात्र ने कितना सीखा ये कैसे जांचा जाएगा. अंत में सिलेबस के फॉर्मेट में इन सब का वर्णन करके सिलेबस को यूनिवर्सिटी की वेब साईट पर अपलोड कर दिया जाता है.

3. **नया सिलेबस पुराने सिलेबस से कैसे अलग है?**

   पुराने सिलेबस में सिर्फ इसका जिक्र होता था कि क्या पढ़ाया जाएगा (Contents). पढ़ाने से कौनसी योग्यता / हुनर / स्किल विकसित होगी, इस स्किल / हुनर / योग्यता से छात्र क्या-क्या करके दिखायेगा, छात्र ने कितनी योग्यता / हुनर / स्किल सीखी उसका मापन कैसे किया जाएगा, आदि का पुराने सिलेबस में जिक्र नहीं होता था. नए सिलेबस में इन सबका जिक्र किया गया है. छात्र को सिलेबस पढ़ना चाहिए और उसे समझने के प्रयास करना चाहिए.

4. **ये अलग-अलग फॉर्मेट 3 और फॉर्मेट 4 क्या हैं और क्यों बनाए गए हैं?**

   प्रत्येक कोर्स के सिलेबस को अनेक Course Outcomes (COs) (छात्र क्या हुनर/ योग्यता/ स्किल सीखेगा) में विभाजित किया गया है. फिर, प्रत्येक COको कई Learning Outcomes (LOs) (**छात्र हुनर/योग्यता/स्किल के अंतर्गत क्या-क्या करके दिखाना सीखेगा**) में विभाजित किया गया है. फॉर्मेट -3 और 4 में इन्ही का वर्णन किया गया है. प्रत्येक कोर्स का सिलेबस, छात्रों के आसानी से समझने के लिए फॉर्मेट-3 में बनाया

गया. प्रत्येक Learning Outcome का सिलेबस शिक्षकों के पढ़ाने-सीखाने-आंकलन करने में आसानी के लिए फॉर्मेट 4 में तैयार किया गया है.

5. **OCBC-19 के सिलेबस में छात्र को क्या जानना और समझना चाहिए?**

छात्र को सिलेबस पढ़कर यह जानना और समझना चाहिए कि प्रत्येक कोर्स में क्या-क्या हुनर/स्किल्स/ कौशल (COs) सीखाये जायेंगे, यदि छात्र ने उन्हें सीख लिया तो उसे क्या क्या करके दिखाना होगा (LOs) और छात्र द्वारा सीखे हुनर / स्किल / योग्यता की परीक्षा कैसे-कैसे ली जायेगी.

6. **ये External Assessment और internal Assessment क्या हैं?**

जब भी छात्र कोई नया हुनर/स्किल/कौशल सीखता है तो उसने, करके दिखाना (LOs), कितना और कहाँ तक सीखा, इसका मापन और मूल्यांकन (Assessment) किया जाता है. उसके आधार पर पास/फेल/ग्रेड का निर्धारण किया जाता है. ये दो प्रकार से होता है. प्रत्येक कोर्स के कुछ हुनर/स्किल्स/योग्यताओं के LOs का मापन और मूल्यांकन यूनिवर्सिटी द्वारा करवाया जाता है. इसे external assessment कहते हैं. कुछ LOs का मापन और मूल्यांकन महाविद्यालय/ विभाग द्वारा करवाया जाता है. इसे Internal assessment कहते हैं. सिलेबस में प्रत्येक LO के अंतर्गत यह भी उल्लेख होता है कि उस LO का internal assessment होगा अथवा external assessment.

7. **नई पद्धति में पढ़ाई कैसे होगी?**

पढाई, पूर्व की भांति, अब भी समय सारणी के अनुसार होगी. किन्तु, अब समय सारणी में थ्योरी और प्रैक्टिकल के पीरियड्स अलग अलग नहीं होंगे. फॉर्मेट-3 में दर्शाए अनुसार क्रम से एक-एक लर्निंग आउटकम में वर्णित हुनर या योग्यता विकसित करने के लिए पढ़ाई कराई जायेगी. जब प्रैक्टिकल हुनर वाले लर्निंग आउटकम को पढ़ाया जाएगा तो अध्यापन कार्य लैब में होगा.

8. **नई पद्धति में परीक्षा कैसे होगी?**

नई पद्धति में, परीक्षा में परम्परागत तरीके से होगी. प्रत्येक लर्निंग आउटकम से सम्बंधित प्रश्न पूछे/ प्रयोगशाला कार्य करवाए जायेंगे. चूंकि लर्निंग आउटकम बहुत ही specific और focused होते हैं, यदि छात्र, सिलेबस में इनके बारे में अध्ययन कर के यह समझ ले कि इनमें क्या-क्या योग्यता सिखाई जायेगी और कैसे जांची जायेगी, तो वह अपने को, परीक्षा के लिए बेहतर तरीके से तैयार कर सकता है.

9. **क्या पास-फेल के नियम भी बदल गए हैं?**

नहीं पास फेल के नियम पूर्ववत ही हैं तथा यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर भी उपलब्ध हैं. प्रत्येक छात्र को चाहिए कि वो इनका अध्ययन करे.

10. **क्या मार्कशीट भी बदल जायेगी? क्या ग्रेडिंग सिस्टम भी ख़त्म हो जाएगा?**

    नहीं, मार्क शीट में कोई परिवर्तन नहीं है. परीक्षा परिणाम ग्रेड में घोषित करने की व्यवस्था पूर्ववत जारी है. SGPA और CGPA भी पूर्व की भांति मार्कशीट में प्रदर्शित होंगे.

11. **क्या अब लैब वर्क, टर्म वर्क और प्रोग्रेसिव टेस्ट नहीं होंगे?**

    नहीं. अब लैब वर्क का आंकलन उन्ही लर्निंग आउटकमों में होगा जो लैब पर आधारित हुनर या योग्यता के लिए बने हैं. इसी प्रकार टर्म वर्क (गृहकार्य, क्विज आदि) आदि का आंकलन भी उन्ही लर्निंग आउटकमों में होगा जिनमें इस प्रकार का पहले से प्रावधान है.

12. क्या OCBC-19 छात्रों के लिए फायदेमंद है? यदि हाँ, तो कैसे?

    हाँ, यह छात्रो के लिए फायदेमंद है. क्योंकि इसमें छात्रों में उन हुनर/स्किल/योग्यताओं को सिखाने के लिए प्रावधान किया गया है जो उन्हें उद्योगों में रोजगार प्राप्त करने में सहायक होंगे.